एलिजा गुलाम की कहानी

एक यहूदी किंवदंती

पुनर्कथन:
इसहाक बाशेविस सिंगर

एलिजा गुलाम की कहानी

एक यहूदी किंवदंती

पुनर्कथन: इसहाक बाशेविस सिंगर

प्राचीन समय में, दूर देश में एक बड़ा शहर था जहाँ बहुत से धनी लोग रहते थे. उसमें शानदार महल, चौड़े रास्ते, पार्क और बगीचे थे.
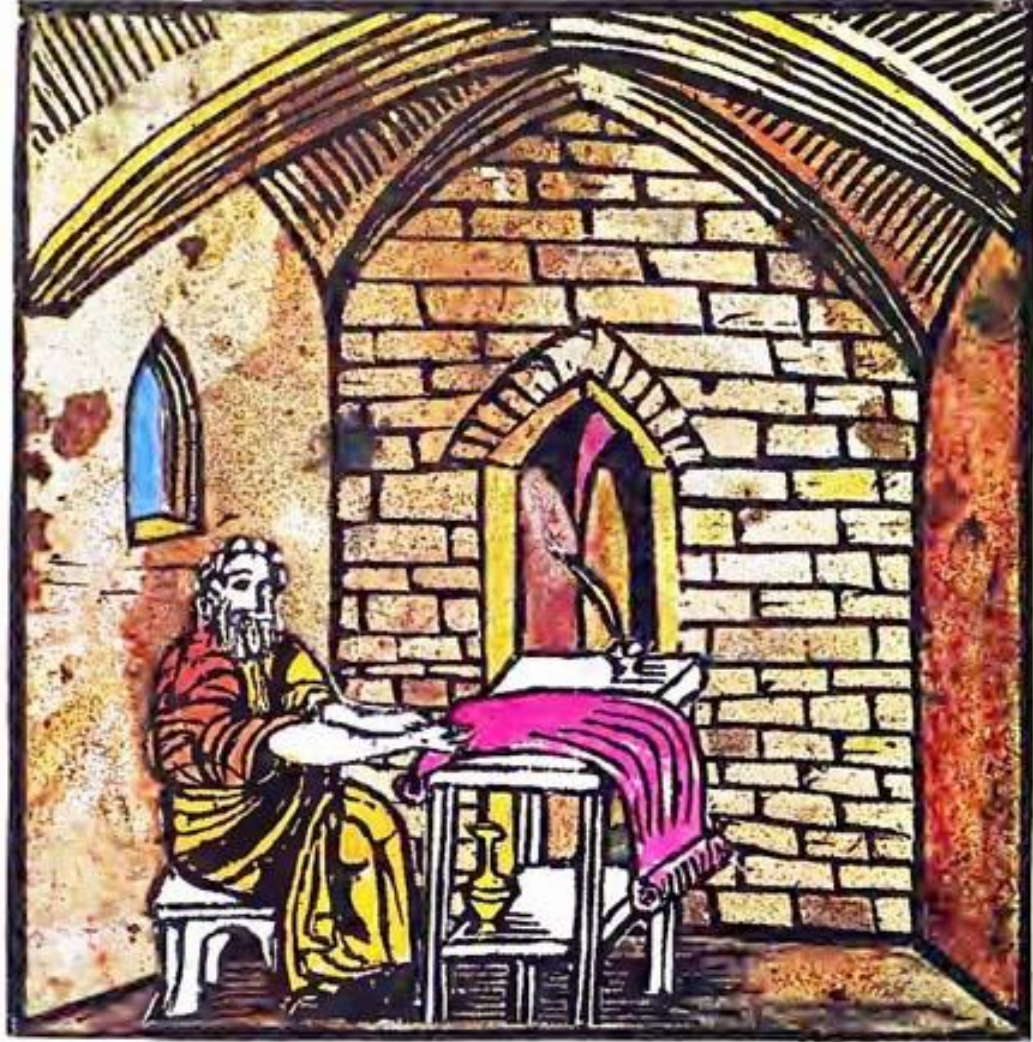
उनके बीच में टूटे-फूटे मकानों की एक छोटी सी गली थी. उनमें संकरी खिड़कियां और दरवाजे थे, और उनकी छतें टपकती थीं. इस गरीब बस्ती में एक पवित्र व्यक्ति रहता था. उसका नाम टोबियास था, और उसकी पत्नी का नाम पनिना था. उनके पांच बच्चे थे, तीन बेटे और दो बेटियां.

टोबियास एक मुंशी था जो पवित्र धार्मिक ग्रंथों की नकल करने का काम करता था. इस तरह वो बड़ी गरीबी में अपने परिवार का जीवनयापन कर पाता था.

लेकिन अचानक वो बीमार पड़ गया और वो उसके दाहिने हाथ ने काम करना बंद कर दिया. जल्द ही घर में रोटी के लाले पड़ गए. भंडार इतना खाली था कि वहां से चूहे भी भाग खड़े हुए. बिल्ली को पकड़ने के लिए कुछ भी नहीं था. जूते न होने के कारण टोबियास के लड़के स्कूल नहीं जा सके. टोबियास के कपड़े फटे-पुराने थे.

पड़ोसियों ने परिवार की दयनीय हालत देखी तो उन्होंने मदद करने की कोशिश की. लेकिन टोबियास ने उनके प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया और कहा, "देखो एक ईश्वर है और वो हमारी मदद ज़रूर करेगा."
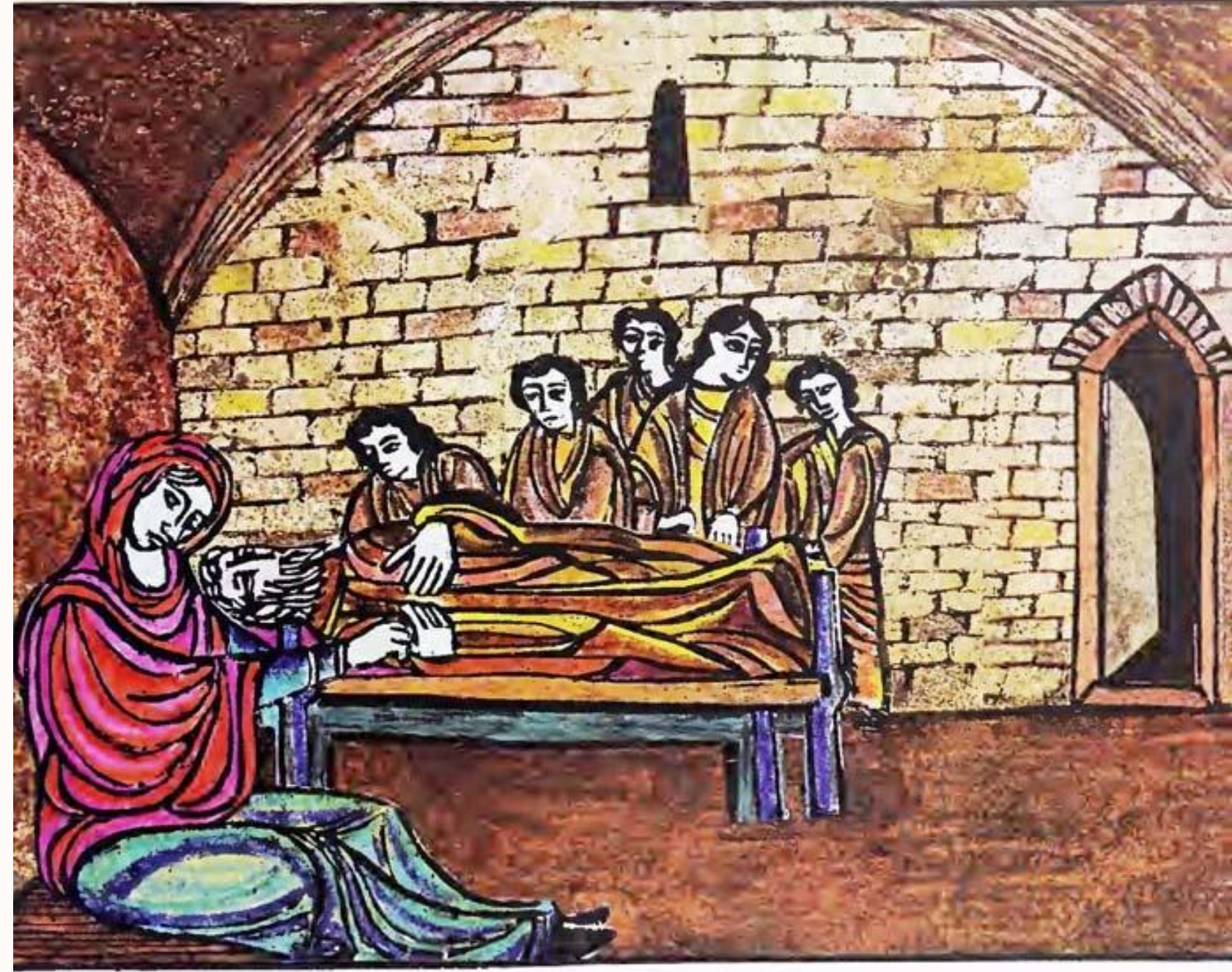
एक दिन टोबियास की पत्नी ने उससे कहा: "यदि भगवान हमारी मदद करना चाहते हैं, तो उन्हें वो मदद जल्द ही करनी चाहिए. देखो, भगवान चाहें जो कुछ करें, लेकिन तुम्हारे घर पर बैठे रहने से स्थिति बिल्कुल नहीं सुधरेगी. तुम्हें शहर में जाना चाहिए. भगवान के चमत्कार की प्रतीक्षा करते हुए भी तुम्हें अपने प्रयास जारी रखने चाहिए. अगर मनुष्य पहले काम शुरू करता है तो फिर भगवान भी उसकी मदद करते हैं."

"देखो, मेरे पास पहनने को कपड़े तक नहीं हैं, फिर मैं लोगों को अपना चेहरा भला कैसे दिखा सकता हूँ?"

"रुको, पतिदेव, कपड़ों का इंतज़ाम मैं करूंगी."

फिर पनिना एक पड़ोसी के पास गई और वो उनसे एक कोट, एक टोपी और जूते उधार मांगकर लाई. उसने टोबियास की कपड़े पहनने में मदद की. फिर टोबियास वास्तव में एक नए आदमी की तरह लगने लगा. "अब, जाओ," पनिना ने कहा, "भाग्य तुम्हारा साथ दे." जब पति चला गया, तो पनिना ने बच्चों से प्रार्थना को कहा जिससे उनके पिता खाली हाथ घर वापिस न लौटें.

जैसे ही टोबियास शहर के बीचोंबीच पहुँचा, एक अजनबी ने उसे रोका. वो लंबा था और उसकी सफेद दाढ़ी थी. उसने एक लंबा कोट पहने था और उसके हाथ में एक छड़ी थी. "शांति तुम्हारे साथ हो, टोबियास," उसने कहा, और उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया. टोबियास, भूल गया था कि वो अपना दाहिना हाथ हिला तक नहीं सकता था. पर जब अजनबी ने उसके हाथ को पकड़कर दबाया तो टोबियास अपने हाथ में चमत्कारी सुधार से चकित रह गया.
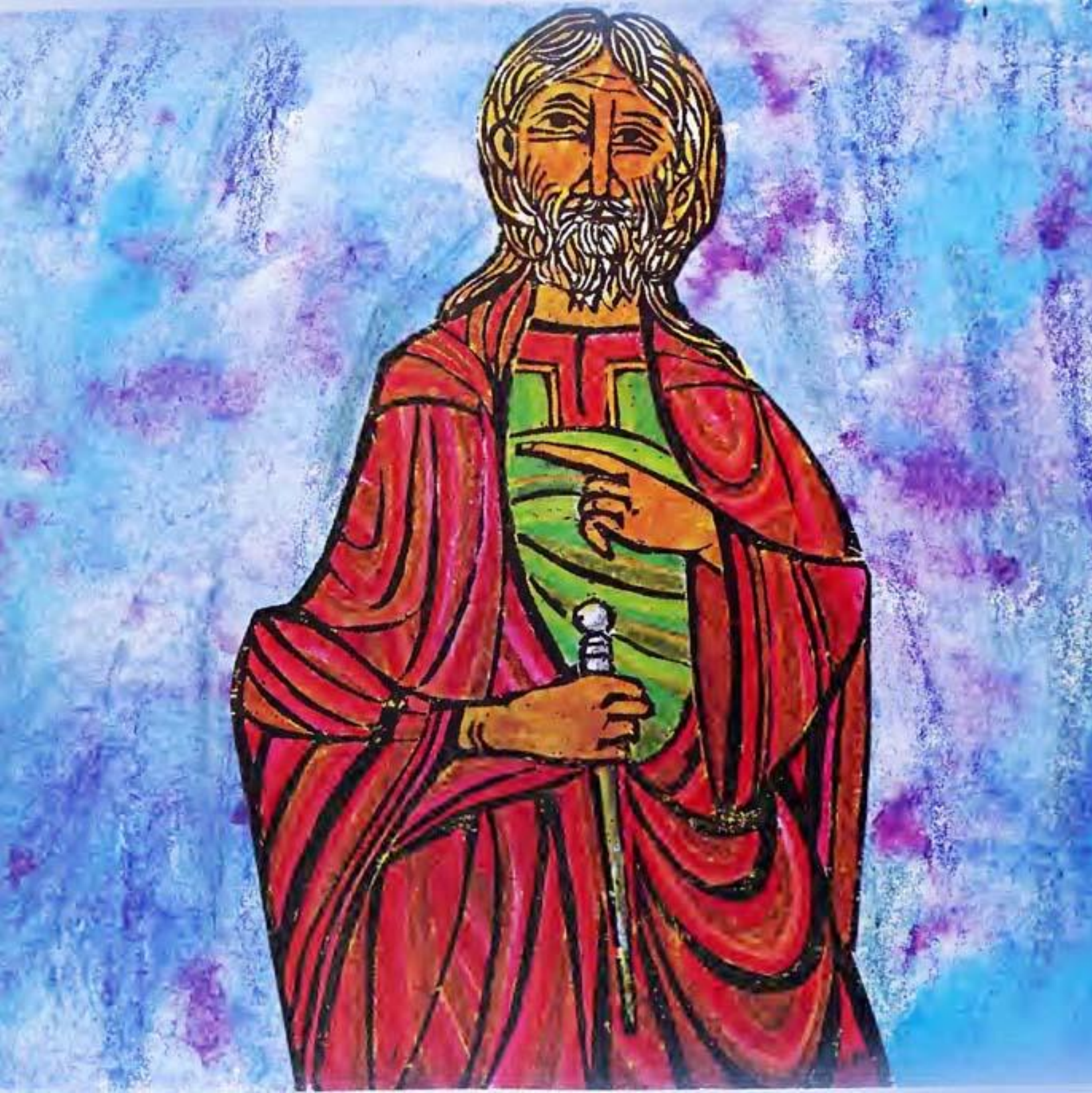
"मैं किसका अभिवादन कर रहा हूँ?" टोबियास ने पूछा.

"मेरा नाम एलिजा है और मैं आपका गुलाम हूँ."

"गुलाम?" टोबियास ने हैरानी से पूछा.

"हाँ, आपका गुलाम. मुझे स्वर्ग से भेजा गया है. मुझे बाजार में ले जाओ और मुझे सबसे ऊंची बोली लगाने वाले व्यक्ति को बेच दो."

"यदि आप स्वर्ग से आए हैं तो फिर मैं आपका गुलाम हूं," टोबियास ने उत्तर दिया. "एक गुलाम भला अपने मालिक को कैसे बेच सकता है?"

एलिजा ने उत्तर दिया, "देखो, मैं जैसा कहता हूं वैसा ही करो."

चूँकि एलिजा परमेश्वर का दूत था, इसलिए टोबियास के पास आज्ञा मानने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था.

बाजार में टोबियास और एलिजा के पास बहुत से धनी व्यापारी इकट्ठे हुए. इतना नेक और होशियार दिखने वाला गुलाम, बिक्री के लिए पहले कभी बाज़ार में नहीं आया था.

व्यापारियों में सबसे अमीर ने आगे आकर एलिजा को संबोधित किया. "तुम क्या कर सकते हो, गुलाम?"

"आप जो कुछ भी चाहें," एलिजा ने कहा.

"क्या तुम एक महल बना सकते हो?"

"सबसे शानदार महल जो आपने कभी देखा हो."

"राजा के महल से भी ज्यादा शानदार?"

"उससे भी अधिक शानदार - और भव्य."

"पर हम तुम पर कैसे विश्वास करें?" उनमें से एक व्यापारी ने पूछा.

एलिजा ने अपनी जेब से लकड़ी के गुटकों की एक थैली निकाली और उनसे एक छोटा महल बनाया. उसने वो सब इतनी तेजी से किया और महल की सुंदरता इतनी असामान्य थी कि सब व्यापारी चकाचौंध रह गए.

"क्या तुम इस तरह का एक असली महल भी बना सकते हैं?" सबसे अमीर व्यापारी ने पूछा.

"इससे भी बेहतर," एलिजा ने कहा.

व्यापारियों ने यह महसूस किया कि उस दास के पास कुछ अलौकिक शक्तियाँ थीं. फिर वे तुरंत बोली लगाने लगे. "दस हजार गुलडेन!" एक चिल्लाया.

"पचास हजार!" दूसरे व्यापारी ने कहा.

"एक लाख!" तीसरे ने पेशकश की.

सबसे अधिक कीमत – आठ लाख गुलडेन - अंततः सबसे अमीर व्यापारी द्वारा लगाई गई और उसने तुरंत टोबियास को उन पैसों का भुगतान किया.
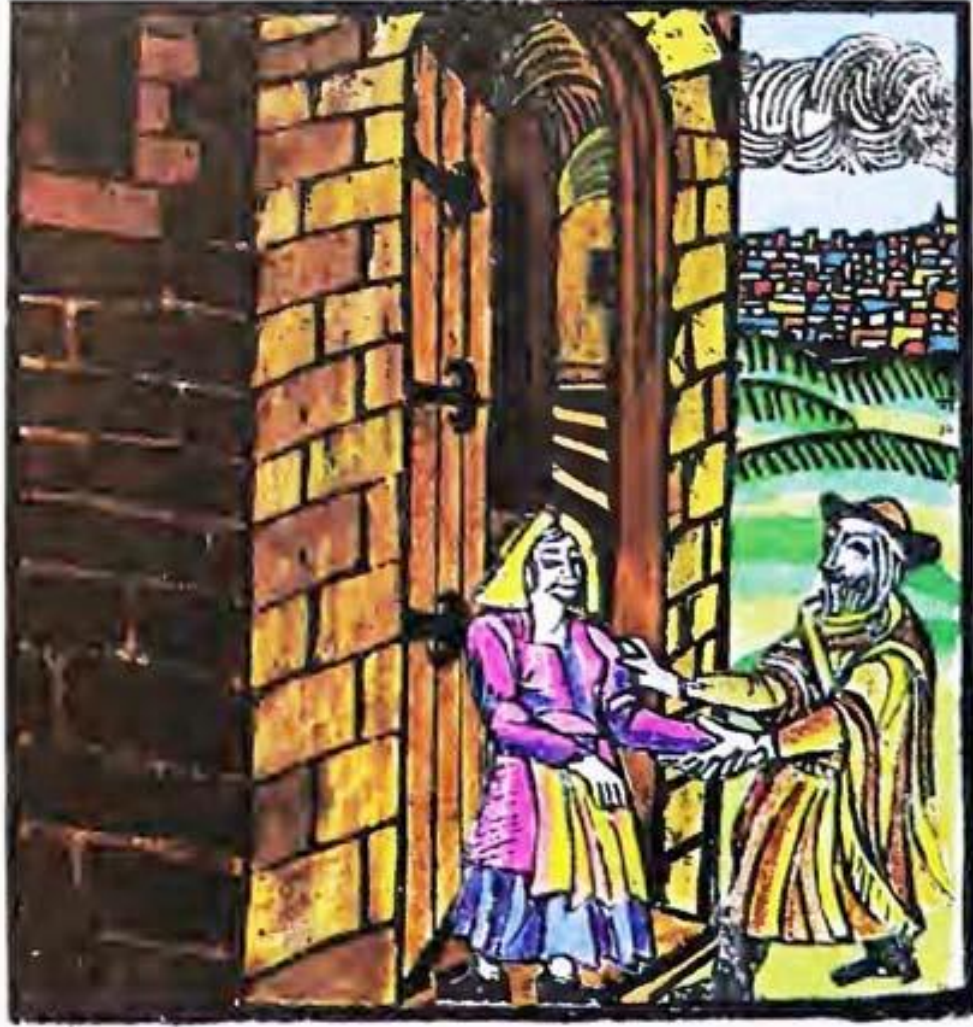
एलिजा की ओर मुड़ते हुए, व्यापारी ने कहा, "यदि असली महल उतना ही सुंदर बना जैसा तुमने वादा किया है, तो फिर मैं तुम्हें गुलामी से मुक्त करके स्वतंत्र कर दूंगा."

"बहुत अच्छा," एलिजा ने उत्तर दिया. फिर उसने टोबियास से कहा, "अब घर जाकर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ आनन्द करें. अब आपकी दरिद्रता के दिन बीत गए."

परमेश्वर की स्तुति करने और एलिजा को उसकी भलाई के लिए धन्यवाद देने के बाद, टोबियास घर लौटा.

उसकी पत्नी और बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा.

हमेशा की तरह, टोबियास ने उन पैसों का दसवां हिस्सा गरीबों को दान दिया. अब भले ही वो एक अमीर आदमी था, लेकिन उसने एक मुंशी के रूप में अपने प्रिय काम पर लौटने का फैसला किया.

रात हुई और एलिजा ने परमेश्वर से कहा. "मैंने आपके दास टोबियास को बचाने के लिए खुद को एक गुलाम के रूप में बेच दिया. मैं अब आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप महल बनाने में मेरी मदद करें."

तुरंत स्वर्ग से स्वर्गदूतों का एक दल उतरा. वे रात भर काम करते रहे. जब सूरज निकला, तब तक महल समाप्त हो गया था.

अमीर व्यापारी आया और उसने विस्मय से देखा. ऐसा वैभवशाली महल मानव नेत्रों ने पहले कभी नहीं देखा था.

"यह आपका महल है," एलिजा ने कहा. "अपना वादा याद करें और मुझे मेरी स्वतंत्रता दें."

"आप स्वतंत्र हैं, मेरे स्वामी," व्यापारी ने उत्तर दिया और फिर उसने भगवान के दूत का झुककर नमन किया.
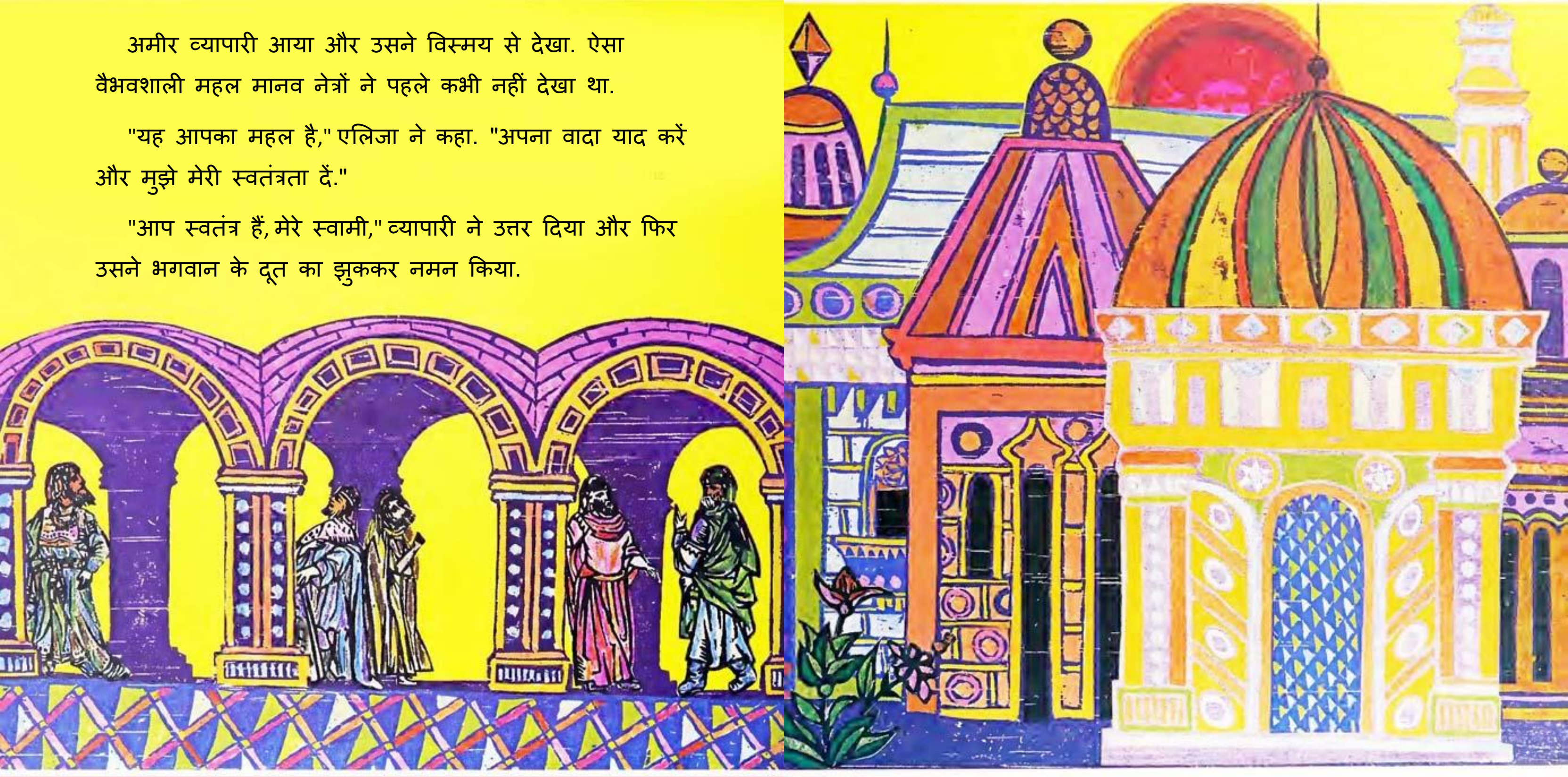
देवदूत हंस पड़े.

भगवान ने सातवें आसमान से नीचे देखा और वो मुस्कुराए. स्वर्गदूतों ने अपने पंख फैलाए और वे एलिजा को साथ लेकर आकाश में ऊपर की ओर उड़ गए.

समाप्त